दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 18.01.2019

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ
अतिथि व्याख्यान

आज दिनांक 18.01.2019 को स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 'सोशल मिडिया एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. बलवान सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, डिग्री कालेज भटवली बाजार (उलवल) गोरखपुर ने कहा कि मीडिया का क्षेत्र चाहे प्रिंट मीडिया हो या इलेक्ट्रानिक मीडिया यह किसी भी राष्ट्र का चौथा स्तम्भ होता है और वर्तमान दौर तो सोशल मीडिया, जनसंचार माध्यम की अभिव्यक्ति के रूप में अपनी नवीन भूमिका का निर्वहन कर रहा है, राष्ट्रीय सुरक्षा का क्षेत्र भी इससे अलग नहीं। डॉ. सिंह ने यह भी कहा यह एक ऐसा माध्यम है जिसमें आज देश का हर नागरिक अपने विचारों को समाज के सामने व्यक्त कर सकता है। देश में लगभग 6.2 करोड़ समाचार–पत्र, पत्रिकाएँ प्रकाशित होती हैं। जिसका लाभ भारत का अधिकांश नागरिक उठाता है। लेकिन फिर भी आज की युवा पीढी, स्मार्ट फोन, फेजबुक, व्हास्टएप, ट्वीटर, यूट्यूब तथा इंटरनेट के माध्यम से देश, दुनिया में अपने विचारों का आदान प्रदान कर रहे हैं। सोशल मीडिया, अजा राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में दोहरी भूमिका निभा रहा है। जिसमें अलगाववादी, आतंकवादी तथा जाति एवं सम्प्रदाय का जहर घोलने वाले विचारों को तेजी से अपने लोगो में फैलाकर विघटनकारी माहौल पैदा करते हैं, तो दूसरी तरफ राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने वाले विचारों, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन, इंडिया अगेनस्ट करप्सन, निर्भया को न्याय, जम्मू कश्मीर में अलगाववादियों द्वारा सशस्त्र सेनाओं के विरूद्ध पत्थरबाजी जैसे अपमानजनक कार्यवाही करना तथा जेएनयू में राष्ट्रविरोधी नारेबाजी कर, राष्ट्र के विरूद्ध षडयंत्र करना जैसे कार्यवाहियों को प्रमुखता प्रदान करता है वही समाज, राष्ट्र व अपने सैन्य बलों के प्रति जागरूक रहने की भी प्रेरणा देता है।

पुनः उन्होने कहा कि सोशल मीडिया सूचनाओं के सागर में हमें डूबाने के साथ साथ प्रारम्परिक संवेदनशीलता से भी विमुख कर रहा है। विभिन्न आतंकवादी समूह स्वीचेबल सीमकार्ड वाले मल्टीपल मोबल फोन, जीपीएस आदि तकनीको का प्रयोग कर रहे हैं। राष्ट्र पर साइबर युद्ध के खतरे बढ़ते जा रहे है और आकड़ो के अनुसार आज 120 देश साइबर युद्ध और साइबर जासूसी में लगे हुए हैं। ऐसे में हमे अपने देश में सोशल मीडिया का प्रयोग पूरी गंभीरता से करना होगा। अभिव्यक्ति के आजादी के नाम पर राष्ट्रीय सुरक्षा से खेलने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने इस तरह के व्याख्यान और कार्यक्रम कराये जाने पर बल दिया। आभार ज्ञापन विभागीय प्रभारी डॉ. आर.पी. यादव ने तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। उक्त अवसर पर डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. राजशरण शाही तथा डॉ. रामकुमार यादव सहित अनेक छात्र/छात्रायें उपस्थित थे।

डॉ. (मुरली मनोहर तिवारी)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी
मोबाइल नं–9452879449